Roll No. _____ [Total No. of Pages : 1

PGIS-N 1212 B-15
M.A. Ist Semester (CBCS) Degree Examination
Hindi
(History of Hindi Literature)
Paper : HC - 1.1
(New)

Time : 3 Hours Maximum Marks : 80

सूचनाः- १) कुल **सात** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
२) नवाँ प्रश्न अनिवार्य है।

1. हिन्दी साहित्य के कालविभाजन को स्पष्ट कीजिए। **(6×10=60)**

2. आदिकाल की विभिन्न परिस्थितियों पर प्रकाश डालिए।

3. सूफी काव्य की विशेषताएँ लिखिए।

4. कृष्ण भक्ति शाखा की प्रवृत्तियों की चर्चा कीजिए।

5. भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियों पर विचार कीजिए।

6. रीतिकाल के नामकरण की समस्या पर एक लेख लिखिए।

7. रीतिबद्ध धारा के कवियों का परिचय दीजिए।

8. जैन साहित्य का परिचय दीजिए।

9. किन्हीं **चार** पर टिप्पणी लिखिए। **(4×5=20)**

अ) विद्यापति

आ) रासोकाव्य

इ) सन्त साहित्य

ई) तुलसीदास

उ) अष्टछाप के कवि

ऊ) बिहारी

Roll No. _____ [Total No. of Pages : 1

PGIS-N 1214 B-15
M.A. Ist Semester (CBCS) Degree Examination
Hindi
(Indian Poetics)
Paper : HC 1.2
(New)

Time : 3 Hours Maximum Marks : 80

सूचना:- 1) कुल सात प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
2) नवाँ प्रश्न अनिवार्य है।

1. साहित्य की परिभाषा को बताते हुए उसके प्रयोजन को स्पष्ट कीजिए। **(6×10=60)**
2. रस के स्वरूप को स्पष्ट करते हुए रस के अंगो का परिचय दीजिए।
3. ध्वनि सिहान्त पर एक लेख लिखिए।
4. औचित्य के अर्थ को स्पष्ट करते हुए। औचित्य के भेदों पर प्रकाश डालिए।
5. महाकाव्य सम्बन्धी विभिन्न मतों की समीक्षा कीजिए।
6. काव्यात्मा सम्बन्धी आचार्यों के विभिन्न मतों की चर्चा कीजिए।
7. भारतीय साहित्य शास्त्र के विकास को रेखांकित कीजिए।
8. शब्दशाक्तियों का सोदाहरण परिचय दीजिए।
9. किन्हीं **चार** पर टिप्पणी लिखिए। **(4×5=20)**

अ) काव्य हेतु
आ) मुम्तक काव्य
इ) वक्रोक्ती सम्प्रदाय
ई) दृश्य काव्य
उ) रीति एवं शैली
ऊ) चित्र काव्य

Roll No. _____ [Total No. of Pages : 2

PGIS-N 1216 B-15
M.A. Ist Semester (CBCS) Degree Examination
Hindi
(Hindi Modern Poetry)
Paper : HC 1.3
(New)

Time : 3 Hours Maximum Marks : 80

सूचनाः- 1) कुल **सात** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
2) नवाँ प्रश्न अनिवार्य है।

1. साकेत के नवमसर्ग में चित्रित उर्मिला की विरह दशा का वर्णन कीजिए। **(6×10=60)**

2. कामायनी के आनंद सर्ग की विशेषता बताइए।

3. पठित कविताओं के आधार पर सुमित्रानंदन पत ने काव्यगत विशेषता बताइए।

4. शमकी शक्तिपूजा को भाषा शौष्ठवता का परिचय दीजिए।

5. उर्वशी में जित्रित कामादयात्मवाद पर प्रकश डालिए।

6. असाध्य वीणा काव्य का तात्पर्य समझाइए।

7. नागार्जुन काव्य की सामाजिक मान्दता दिवय पर लेख लिखए।

8. अधुनिक हिन्दी काव्य धारा की सामान्य प्रवृत्तियों बताइएँ।

9. किन्हीं **चार** की संदर्भ साहित व्याख्या लिखिए। **(4×5=20)**

अ) विफल जीवन कर्य बहा, बहा,
सरस दो पद में न हुए हहा।
कठिन है कविते, तद भूमि ही,
पर यहाँ

आ) वे युगल वहीं अब बैठे संसृति को सेवा करते,
संतोष और सुख देकर सब को दुख ज्वाला हरते,
है जहाँ महाहद निर्मल जो मन को प्यास बुझाता,
मानस उसको कहते हैं सुख पाता जो है जाता।

इ) न जानै कौन, और धृतिमान!
जान मुझको अक्रोध, अज्ञान,
सझाते हो तुम पद अनजान,
फूँल देते छिद्रों में गान।

ई) बोले विश्वस्त कण्ठ से जाम्बवान - रघुवर,
विचलित होने का नहीं देखता मैं कारण,
हे पुरूष-सिंह, तुम भी यह शक्ति करो धारण,
आराधन का हठ आराधन से दो उत्तर।

उ) उसी किरीटी-तरू से बज्रकीर्तिनें
सारा जीवन इसे गढ़ा
हठ साधना यही भी उस साधक की
वीणा पूरी हुई, साथ साधना, साथ ही जीवन - लीला।

ऊ) कालिदास सच-सच बतलाना!
इन्दुमती के मृत्यु शोक से
अज रादा था तुम रोदे थे?

Roll No. _____ [Total No. of Pages : 2

PGIS-N 1218 B-15
M.A. Ist Semester (CBCS) Degree Examination
Hindi
(Special Study of Poet (Mahadevi verma))
Paper : Sc 1.1
(New)

Time : 3 Hours Maximum Marks : 80

सूचना:- 1) किन्हीं सात प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
2) नवाँ प्रश्न अनिवार्य है।

1. सिद्ध कीजिए कि महादेवी वर्मा विरह वेदना की कवि है। **(6×10=60)**

2. छायावादी काव्य जगत्त में महदेवी वर्मा का स्थान निर्धारित कीजिए।

3. महादेवी को काव्य भाषा की विशेषता गिनाइए।

4. वर्मा को कविता में अभिव्यक्त जीवन दर्शन की समीक्षा कीजिए।

5. वर्मा की कविता में उद्दत प्रतीक संयोजन की विशेषता सिद्ध कीजिए।

6. नोरजा काव्य संग्रह का महत्व अपने शब्दों मे लिखिए।

7. वर्मा को कविता औस और अलधर के अद्भुत संयोजन में प्रक्रिया है प्रश्न कथन की सत्यता बताइए।

8. महादेवी को कविता में निरूपित जीवनानंद की समीक्षा कीजिए।

9. किन्हीं चार की सन्दर्भ सहित व्याख्या लिखिए। **(4×5=20)**

अ) सौरभ से जग भरने को जो

हँस अपना उट रीता करते,

नित चलने को अविदन झरते,

मैं उन मुरनादे फूलों पर

सन्ध्या के रंग जमा जाती।

आ) हर पग पर स्वर्ग बना देती

धरती की नव सुनुहार मुझे,

लए में अविराम प्रकार मुझें

म्यों अभु न हो श्रृंगार मुझे।

इ) जब या कल कंठो का मेला,

विदेंसे उपल तिमिर था खेला,

अब मन्दिर में दृष्ट अकेला,

उसे अदिर का शून्द गलाने को गलने दो।

ई) कण कण दीपक तृप-तृप बाती

हँस चितदन का स्नेह दिलाती,

पल-पल को झिलमिल भौं में

सपनों के अंकुर आज मुगा ले!

गोधूली, अब दीप जगा ले।

उ) गिरता कब दीपक दीपक में,

तारक में तारक कब धुलता?

तरा ही उन्माद शिरध में

जलता है किर अकुलाता क्यों

ऊ) इस पथ का कण कण आकर्षण, तृणतृण में अपनाव

उसमें भूक पहेली है पर इसमें अमिर दुराज!

हृदय को बन्धन में अभिमान

दूर घर मैं पथ से अन्जार।

Roll No. _____ [Total No. of Pages : 1

PGIS-N 1220 B-15
M.A. Ist Semester (CBCS) Degree Examination
Hindi
(Hindi Grammar)
Paper : SC - 1.4
(New)

Time : 3 Hours Maximum Marks : 80

Text : हिन्दी व्याकरण

सूचनाः- 1) कुल **सात** प्रश्नों के उत्तर लिखिए।
2) नवाँ प्रश्न अनिवार्य है।

1. ध्वनियाँ और उच्चारण की प्रक्रिया को सोदाहरण परिचय दीजिए। **(6×10=60)**
2. शब्द रचना के घटकों का परिचय दीजिए।
3. क्रिया की परिभाषा लिखकर, उसके भेदों की चर्चा कीजिए।
4. हिन्दी सर्वनाम का परिचय देते हुए, उसके प्रकारों को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।
5. हिन्दी व्याकरण के लिंग-विधान पर प्रकाश डालिए।
6. हिन्दी वचन व्यवस्था को स्पष्ट करते हुए, वचन परिवर्तन के नियमों को समझाईए।
7. विशेषण एवं क्रिया विशेषण के भेदों को स्पष्ट कीजिए।
8. वाक्य के अंगों परिचय देते हुए, उसके भेदों की चर्चा कीजिए ।
9. किन्हीं चार पर टिप्पणी लिखिए। **(4×5=20)**

अ) पदक्रम

आ) मुहावरें एवं लोकोक्तियाँ

इ) उपसर्ग एवं प्रत्यय

ई) संयुक्त व्यंजन

उ) अक्षर विन्यास

ऊ) कारक-चिहन्